

रंग बरसे | by Tinka Soni

कीर्तन में जी कीर्तन में आज तुम्हारे कीर्तन में
रंग बरसे, रंग बरसे, हाँ रंग बरसे श्याम थारे कीर्तन में
रंग बरसे

सारे के सारो को न्योता था भेजा
भक्त प्यारो को न्योता था भेजा
आये वही जिनका मन तरसे ,रंग बरसे
रंग बरसे, रंग बरसे, हाँ रंग बरसे श्याम थारे कीर्तन में
रंग बरसे

बड़े भी आये है छोटे भी आये
खरे भी आये हैं खोटे भी आये
देने बाबा श्याम को पर्चे, रंग बरसे
रंग बरसे, रंग बरसे, रंग बरसे श्याम थारे कीर्तन में
रंग बरसे

बाबा का सोना भवन सजाया
भक्तों ने बड़ा रंग जमाया
कल होंगे इस बात के चर्चे, रंग बरसे
रंग बरसे, रंग बरसे, जी रंग बरसे श्याम थे कीर्तन में

ढोलक भी गाये है चिमटा भी गाये
प्रेमी भी गाये है तिनका भी गाये
आज अमृत की बरखा बरसे, रंग बरसे
रंग बरसे, रंग बरसे, जी रंग बरसे श्याम थे कीर्तन में

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%82%e0%a4%97-%e0%a4%ac%e0%a4%b0%e0%a4%b8%e0%a5%87-by-tinka-soni/>